RAJYA SABHA

Wednesday, the 11*th December,* 2002/20 *Agrahayana,* 1924 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Villages in Pauri Garhwal covered under PMGSY

*301. SHRI ROBERT KHARSHIING:†
SHRI LAJPAT RAI:

Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the number of villages covered under the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY) in Pauri Garhwal District of Uttaranchal;

(b) whether Government are aware of the fact that the population of Thanoul Village of Kalgikhal Block, Pauri Garhwal do not have facility of motorable road;

(c) whether Government had received any representation from the people of the area and a reference of Member of Parliament in this regard; and

(d) the action taken to start the work of construction of road under the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana urgently and by when the work is likely to be completed?

THE MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT (SHRI SHANTA KUMAR): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The State Government have reported that 20 villages are being covered by the road works cleared in the years 2000-01 and 2001-02 in Pauri Garhwal District of Uttaranchal under the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY).

(b) to (d) The State Government have reported that there is no proposal for taking up Thanoul Village of Kalgikhal Block, District Pauri

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Robert Kharshiing.

Garhwal under the PMGSY as the said Habitation does not fulfil the population criteria of the PMGSY.

SHRI ROBERT KHARSHIING: Mr. Chairman, Sir ...(*Interruptions*)...

लाला लाजपत राय: सभापति जी, मैंने मंत्री जी का जवाब देखा है, उसमें लिखा है कि गांव छोटा है इसलिए यहां रोड नहीं बनाई जा सकती। ...(व्यवधान)...

SHRI ROBERT KHARSHIING: Mr. Chairman, Sir, ...(*Interruptions*)...

लाला लाजपत राय: मेरा निवेदन यह है कि पहाड़ में सब गांव छोटे-छोटे होते हैं। इसके इर्द-गिर्द जितने गांव हैं ...(व्यवधान)...

SHRI ROBERT KHARSHIING: Mr. Chairman, Sir, ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: लाजपत राय जी, जिस सदस्य ने क्वेश्चन मूव किया है, वे बोल रहे हैं। पहले उनको बोलने दीजिए फिर आप बोलिएगा।

SHRI ROBERT KHARSHIING: Mr. Chairman, Sir, may I request the hon. Minister to refer to part (c) of the question? Can the House be specifically informed whether the Government has received any representation from the people of this area along with a letter from the Member of Parliament?

श्री शांता कुमार: सभापति जी, इस संबंध में कोई रिप्रजेंटेशन नहीं मिली।

SHRI ROBERT KHARSHIING: Sir, the hon. Minister, in his reply, has spoken about the population criteria of the PMGSY. May I know from him whether it is true that the people of this area — Thanoul Village and Pauri Garhwal covering about 29 villages — have no college and girls cannot go to the school and for higher education, as there is no motorable road. Is it true that there is no market, no nationalised banks, no post-office, no medical centre? May I also know whether the sick people and Indian army jawans have to walk four to five hours to reach a hospital, or, to report for duty? If so, whether the Government is considering any change in the population criteria of the PMGSY specifically covering hilly, remote or mountainous regions.

SHRI SHANTA KUMAR: We are not only considering, we have already considered and decided और जो नार्म्स व गाइडलाइंस हैं उनको बदल दिया गया है तथा उनको इस प्रकार से बदल दिया गया है कि पहाड़ी क्षेत्रों के अंदर या कहीं पर भी विलेज ऐप्रोच की बजाए क्लस्टर आफ विलेजिस कर दिया गया है। जिस गांव को सड़क देनी है, उस गांव से लेकर ऐग्ज़िस्टिंग सड़क तक जो सड़क जाएगी उसके डेढ़ किलोमीटर के एरिया में जितनी आबादी है, उस

आबादी को भी अब गिना जाएगा। दूसरे, अभी तक हम 1991 की जनगणना को लेते थे, अब 2001 की जनगणना की फिगर्स हमारे पास अवेलेबल हैं, इसलिए अब आबादी 2001 की जनगणना के आधार पर ली जाएगी, क्लस्टर विलेज का कंसेप्ट इंट्रोड्यूस होगा और मुझे लगता है कि उसके द्वारा माननीय सदस्य जिस सड़क के बारे में कह रहे हैं, उस सड़क पर हम विचार करेंगे और यदि वह उस परिधि में आती होगी तो उस सड़क को लिया जाएगा।

श्री सभापति: एक बात बताइए कि यह केवल पहाड़ी क्षेत्र में ही लागू होगा या पूरे देश में लागू होगा।

श्री शांता कुमार: यह सभी के लिए हैं। यह टोटल एप्रोच विलेज न होकर क्लस्टर ऑफ विलेज होगा, सभी के लिए लागू होगा।

लाला लाजपत राय: सभापति जी, मेरा निवेदन यह है कि यह गांव 29 गांवों के सेंटर में है और उन 29 गांवों की आबादी 12,500 है। इस गांव को सड़क से जोड़ने से उस एरिया के सारे गांव सड़क से जुड़ जाएंगे और जैसा अभी आपने फरमाया क्लस्टर ऑफ विलेज, एक क्लस्टर बन जाएगा और उससे सभी लोगों को सुविधा मिलेगी। क्या इस हिसाब से विचार करके तुरंत वहां रोड बनाया जा सकता है।

श्री शांता कुमार: सभापति महोदय, मैंने पहले ही कहा कि अब इस हिसाब से इस सड़क का ही नहीं बल्कि पूरे देश के गांवों की सड़कों का विचार नए हिसाब से किया जाएगा।

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी, मेरा सवाल बड़ा प्वाइंटिड है। सड़क राज्य सरकार बनाती है, मैं जानना चाहता हूं कि पहली सरकार किस एजेंसी से सड़क बनवा रही थी और वर्तमान सरकार किस एजेंसी से बनवा रही है?

श्री सभापति: यह इस क्वश्चिन के परव्यू में नहीं आता।

श्री संघ प्रिय गौतम: सभापति जी, यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है।

श्री सभापति: लेकिन यह इस क्वश्चिन के परव्यू में नहीं आता है।

PROF. SAIF-UD-DIN SOZ: Sir, I would like to know from the hon. Minister whether he is aware that the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana has not made any headway in Jammu and Kashmir because the awareness programme has not worked well. One of the reasons is sufficient literature is not available in the languages which the people know, *i.e.* Dogri, Kashmiri, Urdu, etc. Would the Minister do something in this regard so that this scheme becomes successful?

श्री शांता कुमार: सभापति जी, सड़क बनाने के लिए मुझे नहीं लगता कि किसी विशेष अवेयरनैस लिट्रेचर की आवश्यकता है। गांवों में लोगों को सड़कों की जरूरत है, भारत सरकार सौ प्रतिशत पैसा दे रही है और उस पैसे से राज्यों को सड़कें बनानी चाहिए। यह बात आपने बिल्कुल ठीक कही कि इस योजना की जो गति है, वह जितनी होनी चाहिए, उतनी नहीं है। इसका एक कारण तो यह हुआ कि यह योजना दिसंबर, 2000 में शुरू हुई और देरी से शुरू हुई और सारे नॉर्म्स बनाने में कठिनाई हुई लेकिन मैं समझता हूं कि राज्य सरकारों को जितनी तेजी से काम करना चाहिए, उतनी तेजी से वे काम नहीं कर रही हैं। वैसे पूरे देश में 7,553 करोड़ रुपए की योजनाएं हमने क्लियर की हैं जिससे 37 हजार गांवों को सड़कें मिलेंगी और 56,000 सड़कें बनेंगी। इस समय तक हम 4,925 करोड़ रुपया रिलीज कर चुके हैं और अब तक 2,460 करोड़ रुपया खर्च हुआ है।

*302. [*The Questioners (Maulana Obaidullah Khan Azmi and Shri Suresh Pachouri) were absent. For answer vide page 36.*]

Crimes committed by drug addicts

*303. SHRI B.J. PANDA:†
MISS MABEL REBELLO:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether certain drug addicts used by gangsters for committing heinous crimes were apprehended by the Delhi Police;

(b) if so, the details of these gangsters and crimes committed by the drug addicts in the capital during the last one year; and

(c) the action taken by Government to control this menace?

THE DEPUTY PRIME MINISTER, IN CHARGE OF THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI L. K. ADVANI): (a) No, Sir. No incident involving nexus between the drug addicts and organised crime syndicates has come to the notice of Delhi Police.

(b) and (c) Do not arise.

SHRI B.J. PANDA: Mr. Chairman, Sir, my question was based on an article which appeared in the Times of India of 18th September where the Deputy Commissioner of Police was quoted as saying that they had arrested one of the top ten criminals of Delhi who were recruiting drug addicts for committing heinous crimes. I would request the hon. Minister to clarify it. My supplementary is this. Tnese days Delhi is being called the crime

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri B.J. Panda.